ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

कर्ण का मित्र प्रेम

कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी
पाठ : ४
पाठ का नाम : कर्ण का मित्र प्रेम
PPT-4

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

3."जिस नर की बाह गही मैने,
जिस तरु की छाँह गहि मैने,
उस पर न वार चलने दूँगा,
कैसे कुठार चलने दूँगा,
जीते जी उसे बचाऊँगा,
या आप स्वयं कट जाऊँगा,

"मित्रता बड़ा अनमोल रतन,
कब उसे तोल सकता है धन?
धरती की तो है क्या बिसात?
आ जाय अगर बैकुंठ हाथ.
उसको भी न्योछावर कर दूँ,
कुरूपति के चरणों में धर

ODM EDUCATIONAL GROUP

शब्दार्थ -

नर =पुरुष
गही = थामा
तरु = पेड़ , वृक्ष
कुठार = कुल्हाड़ी
अनमोल = अमूल्य
रतन = रत्न
बिसात = हस्ती , शक्ति , सामर्थ्य
न्योछावर = अर्पित , कुर्बान

ODM EDUCATIONAL GROUP

भावार्थ - कर्ण कहते हैं कि जिसने मुझे सहारा दिया , मेरी रक्षा की है । मैं अपने प्राण देकर भी उसे बचाऊँगा क्योंकि मित्रता एक ऐसा रत्न हैं जिसका मूल्य आँका नहीं जा सकता है । आवश्यकता पूरी होने पर धन का महत्व समाप्त हो जाता है परंतु इन परिस्थितियों में भी मित्रता समाप्त नहीं होती है । कर्ण का कहना है कि यदि स्वर्ग भी हाथ आ जाए तो उसे दुर्योधन को समर्पित कर दूँगा ।

(मित्रता के आगे स्वर्ग के सुखों का भी कोई मूल्य नहीं हैं।)

संभावित प्रश्न

१. कर्ण को किसने सहारा दिया ?
२. कर्ण दुर्योधन को बचाने की बात क्यों कह रहे थे ?
३. कवि ने धन के साथ मित्रता की तुलना किस प्रकार की है?
४. पाठ के अतिरिक्त मित्रता का एक और उदाहरण दीजिए ?

गृहकार्य - पाठ के आधार पर कविता का सारांश पढ़कर तथा प्रश्नोत्तर का अभ्यास करके आना ।

ODM EDUCATIONAL GROUP

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP

ODM EDUCATIONAL GROUP